राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पाठ्य पुस्तकों में वैदिक गणित

2602. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर :**
श्री सिकन्दर बख्त :
श्री प्रमोद महाजन :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रामानुजम गणित संस्थान, मद्रास के भूतपूर्व निदेशक प्रसिद्ध गणितज्ञ डा० आर० एस० भानुमूर्ति ने यह सिद्ध किया है कि भारती कृष्ण तीर्थ द्वारा लिखा गया वैदिक गणित वास्तव में गणित है;

(ख) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय शिक्षक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने वैदिक गणित को गणित अध्यापक मार्ग-दर्शिका में सम्मिलित कर दिया है;

(ग) क्या यह भी सच है कि राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान ने यह सिद्ध किया है कि कतिपय प्रश्नों को कंप्यूटर की तुलना में वैदिक गणित की सहायता से शीघ्र हल करना संभव है; और

(घ) क्या 24 जनवरी, 1991 को उनकी अध्यक्षता में (हुई बैठक में) यह निर्णय लिया गया था कि वैदिक गणित को रा० शै० अ० प्र० परिषद की पाठ्य पुस्तकों में सम्मिलित किया जाना चाहिये और यदि हां, तो क्या इस निर्णय को अगला सत्र आरंभ होने से पहले कार्यान्वित कर दिये जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) वैदिक गणित श्री भारती कृष्ण तीर्थ द्वारा प्रतिपादित 16 सूत्रों पर आधारित है। डा० आर० एस० भानुमूर्ति ने इन सूत्रों के प्रमाण दिए हैं।

(ख) जी, हां। शिक्षकों के लिए प्रासंगिक मानी गई वैदिक गणित की सामग्री को गणित शिक्षकों की मार्ग-दर्शिका में सम्मिलित किया गया है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) जी, हां। ऐसा एक निर्णय राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के अध्यक्ष की हैसियत से मानव संसाधन विकास मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान की प्रबंध समिति की बैठक में लिया गया। राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान ने एन० सी० ई० आर० टी० से इस निर्णय के अनुपालन में आगामी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रीय स्तर पर स्कूल-पाठ्यक्रम के विकास के लिए निर्धारित एजेंसी एन० सी० ई० आर० टी० मामले को समझती है किन्तु, उसका यह विचार है कि इस स्तर पर पाठ्य पुस्तकों में वैदिक गणित को सम्मिलित किया जाना इस क्षेत्र में अभी तक जारी अनुसंधान के रूप में असामयिक होगा।

Revision of Membership Rules of Indian History Congress

2603. SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Indian History Congress (IHC) has revised membership rules; if so, the details thereof; and

(b) the reasons therefor?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) and (b) The Indian History Congress is a voluntary organisation of historians which manages its own affairs. Govern ment do not exercise any control over it. However, according to information furnished by the Indian History Congress, the changes in the provisions relating to membership were necessitated by the unprecedented rise in membership, problems of management of the Congress and increase in costs.